भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI)

संदर्भ : हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा HDFC लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अतिरिक्त शेयरधारिता के अधिग्रहण से जुड़े प्रस्तावित संयोजन को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

- एचडीएफसी लिमिटेड, एक आवास वित्तीय कंपनी, ऑन-मार्केट खरीदारी के माध्यम से एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एचडीएफसी लाइफ) की अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल कर रही है।
- एचडीएफसी लिमिटेड एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध है।
- एचडीएफसी लिमिटेड राष्ट्रीय आवास बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है और आवास और वाणिज्यिक संपत्ति के लिए वित्त प्रदान करता है।
- एचडीएफसी लाइफ एक जीवन बीमा कंपनी है जो भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के साथ पंजीकृत है।
- प्रस्तावित अधिग्रहण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एचडीएफसी लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (समामेलन की प्रभावी तिथि के बाद) के साथ, भारतीय बैंकिंग कानूनों का पालन करने के लिए एचडीएफसी लाइफ की 50% से अधिक हिस्सेदारी रखती है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग क्या है?

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। राघवन समिति की सिफारिशों पर एकाधिकार और प्रतिबंधित व्यापार व्यवहार अधिनियम, 1969 (MRTP अधिनियम) को निरस्त कर दिया गया और प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। यह भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।

- **स्थापना और कानूनी ढांचा:**
  - CCI की स्थापना 2003 में हुई थी और यह 2009 में पूरी तरह कार्यात्मक हो गया था।
  - यह प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के प्रावधानों और बाद के संशोधनों के तहत संचालित होता है।
  - अधिनियम का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा-रोधी प्रथाओं को रोकना, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है।
  - CCI एक स्वतंत्र निकाय है जो स्वायत्तता से काम करता है।
- **उद्देश्य:**
  - CCI का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली प्रथाओं को रोकना और समाप्त करना है।
  - इसका उद्देश्य आर्थिक दक्षता और उपभोक्ता कल्याण को बढ़ाने के लिए भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और बनाए रखना है।
  - CCI सभी बाजार सहभागियों के लिए एक समान अवसर सुनिश्चित करता है, नवाचार, दक्षता और उपभोक्ता की पसंद को बढ़ावा देता है।
- **कार्य और शक्तियाँ:**
  - CCI प्रतिस्पर्धा अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।
  - इसके पास प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौतों, प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले संयोजनों की जांच करने और उन्हें दंडित करने का अधिकार है।
  - CCI संघर्ष विराम आदेश जारी कर सकता है, दंड लगा सकता है, और प्रतिस्पर्धा को बहाल करने के लिए संरचनात्मक या व्यवहारिक उपायों की सिफारिश कर सकता है।
  - यह बाजार अध्ययन कर सकता है और प्रतिस्पर्धा से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह दे सकता है।
  - CCI के पास स्वप्रेरणा से पूछताछ शुरू करने की शक्ति है और यह व्यक्तियों, व्यवसायों या अन्य संगठनों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों पर भी विचार करता है।
- **संघटन:**
  - CCI में एक अध्यक्ष होता है और दो से कम नहीं और छह से अधिक सदस्य नहीं होते हैं।
  - अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।
  - अध्यक्ष को अर्थशास्त्र, कानून, वाणिज्य या व्यवसाय प्रबंधन में विशेषज्ञता वाला व्यक्ति होना चाहिए।

- प्रतिस्पर्धा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में CCI के सदस्यों को उनके ज्ञान और अनुभव के आधार पर चुना जाता है।

➢ **प्रतिस्पर्धा अपीलीय न्यायाधिकरण (COMPAT):**

- CCI के फैसलों के खिलाफ अपील सुनने के लिए कॉम्पिटिशन एक्ट, 2002 के तहत स्थापित एक अपीलीय निकाय था।
- हालाँकि, प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2017 ने COMPAT को समाप्त कर दिया और इसके कार्यों को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (NCLAT) में स्थानांतरित कर दिया।

➢ **अंतरराष्ट्रीय सहयोग:**

- CCI सीमा पार प्रतिस्पर्धा प्रवर्तन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अन्य देशों के प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है।
- इसने सूचना और अनुभव साझा करने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

➢ **जागरूकता और हिमायत:**

- CCI व्यवसायों, पेशेवरों और उपभोक्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा कानून और नीति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वकालत कार्यक्रम आयोजित करता है।
- यह प्रतिस्पर्धा के मुद्दों की बेहतर समझ और प्रतिस्पर्धा कानून के अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन करता है।

➢ **प्रभाव और उपलब्धियां:**

- CCI ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं को रोकने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- इसने कार्टेल, प्रमुख पदों के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौतों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार की गतिशीलता और उपभोक्ता कल्याण में सुधार हुआ है।

➢ **न्यायिक समीक्षा:**

- CCI के निर्णय उच्च न्यायालयों और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं।
- प्रभावित पक्ष उचित न्यायिक प्राधिकरण के समक्ष CCIके आदेशों के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

UNSC 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति

प्रसंग: चीन ने लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान स्थित आतंकवादी साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के एक प्रस्ताव को रोक दिया।

➢ साजिद मीर 26/11 मुंबई आतंकी हमले में शामिल होने के मामले में वांछित है।

➢ प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मीर को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की गई थी, जिससे उसकी संपत्ति पर प्रतिबन्ध, यात्रा प्रतिबंध और हथियार प्रतिबंध लगा दिया गया था।

➢ चीन ने इससे पहले पिछले साल सितंबर में इस प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

➢ साजिद मीर, अपने 40 के दशक के मध्य में, भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक है और मुंबई हमलों में उसकी भूमिका के लिए अमेरिका द्वारा उसके सिर पर 5 मिलियन डॉलर का इनाम रखा गया है।

➢ पिछले साल जून में, मीर को पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने आतंकवाद-वित्तपोषण मामले में 15 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई थी।

➢ अतीत में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा दावा किया गया था कि मीर की मृत्यु हो गई थी, लेकिन पश्चिमी देश असंबद्ध रहे और उनकी मृत्यु का प्रमाण मांगा।

➢ पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए चीन द्वारा बार-बार रोकना चिंता का विषय रहा है, क्योंकि चीन पाकिस्तान का सहयोगी है।

➢ अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, मुंबई हमलों के लिए लश्कर-ए-तैयबा के संचालन प्रबंधक माने जाने वाले मीर ने उनकी योजना और क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई।

➢ अमेरिका में अप्रैल 2011 में मुंबई हमलों में भूमिका के लिए मीर पर अभियोग लगाया गया था।

1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति क्या है?

➢ **स्थापना और अद्यतन:**

- समिति को पहली बार 1999 में स्थापित किया गया था और 2011 और 2015 में अद्यतन किया गया है।

- सितंबर 2001 के हमलों के बाद और मजबूत होने के साथ, अल-कायदा के उदय के जवाब में इसे शुरू में बनाया गया था।

➢ **नाम में बदलाव:**

- समिति को अब दा'एश और अल कायदा प्रतिबंध समिति के रूप में जाना जाता है, जो इस्लामिक स्टेट समूह (दाएश) को शामिल करने के लिए अपने विस्तारित ध्यान को दर्शाता है।

➢ **सदस्यता:**

- समिति में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सभी स्थायी और गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं।
- यह निर्णय लेने की प्रक्रिया में सदस्य राज्यों से व्यापक प्रतिनिधित्व और भागीदारी सुनिश्चित करता है।

➢ **1267 सूची:**

- समिति आतंकवादियों की 1267 सूची रखती है, जो कि UNSC की आधिकारिक मुहर वाली एक वैश्विक सूची है।
- सूची में मुख्य रूप से ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो पाकिस्तानी नागरिक या निवासी हैं।

➢ **महत्व और गतिविधि:**

- समिति संयुक्त राष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण और सक्रिय सहायक निकायों में से एक है, जो विशेष रूप से अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधित आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करती है।
- इसके प्रयास वैश्विक आतंकवाद विरोधी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

➢ **आतंकवाद का मुकाबला:**

- समिति आतंकवादियों के आंदोलन और गतिविधियों को सीमित करने के लिए चर्चा और पहल करती है।
- यह आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए लक्षित यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति को फ्रीज करने और हथियार प्रतिबंध जैसे उपायों को संबोधित करता है।

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस

संदर्भ: विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस प्रत्येक वर्ष 19 जून को मनाया जाता है।

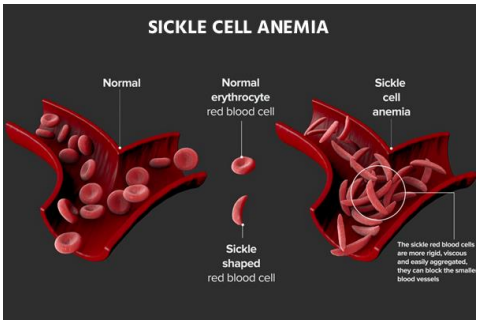

➢ इस दिन का उद्देश्य सिकल सेल रोग (SCD) और दुनिया भर में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

➢ इस वर्ष विश्व सिकल सेल रोग दिवस की थीम है 'वैश्विक सिकल सेल समुदायों का निर्माण और मजबूती, नवजात शिशु की स्क्रीनिंग को औपचारिक बनाना और अपने सिकल सेल रोग की स्थिति जानना'।

➢ विषय सिकल सेल रोग से लड़ने के लिए शिशुओं और वयस्कों में जीनोटाइप को समझने के महत्व पर जोर देता है।

➢ यह सिकल सेल रोग की स्थिति की पहचान करने के लिए उन्नत तकनीक के उपयोग को भी प्रोत्साहित करता है।

➢ सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग (DEPwD), देश में विकलांग व्यक्तियों के विकास के एजेंडे के लिए जिम्मेदार नोडल निकाय है।

➢ विभाग ने पूरे भारत में 30 से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके विश्व सिकल सेल रोग दिवस मनाया।

सिकल सेल रोग

➢ सिकल सेल रोग (SCD) रक्त विकारों का एक विरासत में मिला हुआ समूह है जो प्रकृति में आनुवंशिक होता है। यह एक **ऑटोसोमल रिसेसिव** डिजीज या मेंडेलियन डिसऑर्डर है।

➢ **कारण:**

- गुणसूत्र 11 पर पाए जाने वाले हीमोग्लोबिन -β जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है।
- इस उत्परिवर्तन के परिणामस्वरूप दोषपूर्ण हीमोग्लोबिन (Hb) होता है।

- **विशेषताएं:**
  - ऑक्सीजन छोड़ने के बाद, ये दोषपूर्ण Hb अणु आपस में जुड़ जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप छड़ जैसी संरचनाएं बन जाती हैं।
  - लाल रक्त कोशिकाएं कठोर हो जाती हैं और सिकल आकार ग्रहण कर लेती हैं।
- **संचरण:** यह आमतौर पर जन्म के दौरान माता-पिता से बच्चे में स्थानांतरित होता है यानी माता-पिता दोनों एससीडी के वाहक हो सकते हैं।
- **लक्षण:**
  - सिकल सेल एनीमिया के साथ पैदा होने वाले शिशुओं में कई महीनों तक लक्षण दिखाई नहीं दे सकते हैं।
  - अत्यधिक थकान, उधम मचाना और हाथों और पैरों में दर्द और सूजन और पीलिया।
- **प्रभाव:**
  - विकृत कोशिकाओं में प्लास्टिसिटी की कमी होती है और वे छोटी रक्त वाहिकाओं को अवरुद्ध कर सकते हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है।
  - सिकल सेल समय से पहले मर जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप लाल रक्त कोशिकाओं (एनीमिया) की पुरानी कमी होती है, जिसे अक्सर सिकल सेल एनीमिया कहा जाता है।
  - गंभीर तीव्र दर्द सिंड्रोम, गंभीर जीवाणु संक्रमण, और परिगलन (ऊतक मृत्यु)।
- **इलाज:**
  - दवाएं, रक्ताधान और शायद ही कभी अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण किया जाता है।

अस्थि मज्जा या स्टेम सेल प्रत्यारोपण जो कई जोखिमों के साथ आता है, एक इलाज हो सकता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

जेमकोवैक-ओएम (GEMCOVAC-OM)

संदर्भ: हाल ही में, पुणे स्थित जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स ने अपने mRNA कोविड-19 बूस्टर वैक्सीन, GEMCOVAC-OM के लिए भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (DCGI) से आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण प्राप्त किया है।

जेमकोवैक-ओएम:

जेमकोवैक-ओएम एक एमआरएनए कोविड-19 बूस्टर वैक्सीन है जिसे जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स ने ओमिक्रोन वेरिएंट को लक्षित करने के लिए विकसित किया है। यह एमआरएनए टीकों की श्रेणी में आता है, जो वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए एक मैसेंजर आरएनए प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है।

पृष्ठभूमि:

मॉडर्ना और फाइजर के बाद जेमकोवैक-ओएम विश्व स्तर पर तीसरा एमआरएनए कोविड-19 बूस्टर वैक्सीन है और भारत में विकसित पहला टीका है।

वैक्सीन विकास प्रक्रिया:

जेमकोवैक-ओएम भारत के 13 शहरों में 20 केंद्रों पर लगभग 3,000 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए चरण-3 नैदानिक परीक्षणों से गुजरा है। टीके ने मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया है और इसे सुरक्षित और अच्छी तरह से सहन करने वाला माना गया है।

प्रतिरक्षण कार्यक्रम:

18 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्ति बूस्टर खुराक के रूप में जेमकोवैक-ओएम प्राप्त कर सकते हैं।

वैक्सीन का प्रभाव:

भारत में कोविड टीकों की 220 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं, जिससे सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।

विक्टोरिया झील

संदर्भ:

हाल ही में, जर्नल नेचर में प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में कहा गया है कि झील विक्टोरिया बेसिन (एलवीबी) क्षेत्र में वर्षा के पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलाव और चरम जलवायु घटनाओं में वृद्धि के कारण खतरे का सामना कर रही है।

विक्टोरिया झील:

- विक्टोरिया झील दुनिया की सबसे बड़ी उष्णकटिबंधीय झील है, और उत्तरी अमेरिका में सुपीरियर झील के बाद सतह क्षेत्र द्वारा दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- यह क्षेत्र में समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण मत्स्य और जल संसाधन के रूप में कार्य करता है।
- झील को **23** नदियों से पानी मिलता है, जिसमें सबसे बड़ी कागेरा नदी है जो झील में गिरने से पहले रवांडा और बुरुंडी से होकर गुजरती है।
- झील का नाम खोजकर्ता जॉन हैनिंग स्पेक द्वारा क्वीन विक्टोरिया के नाम पर रखा गया था, जो रिचर्ड फ्रांसिस बर्टन के साथ अभियान के दौरान वर्ष **1858** में इसका दस्तावेजीकरण करने वाले पहले ब्रिटेनवासी थे।

पारिस्थितिक महत्व:

यह जल निकाय तीन देशों - तंजानिया (**51** प्रतिशत), युगांडा (**44** प्रतिशत) और केन्या (**5** प्रतिशत) द्वारा साझा किया जाता है।

पर्यावरणीय चिंता:

- तीव्र जनसंख्या वृद्धि, कृषि विस्तार, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने इस गिरावट में योगदान दिया है।
- वर्षा के बदलते पैटर्न और चरम जलवायु की बढ़ती घटनाओं ने इस क्षेत्र में पर्यावरणीय चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

समाचार में स्थान

वियतनाम

संदर्भ: हाल ही में, भारत ने वियतनाम को स्वदेश निर्मित मिसाइल कार्वेट आईएनएस किरपान उपहार में देने की घोषणा की।

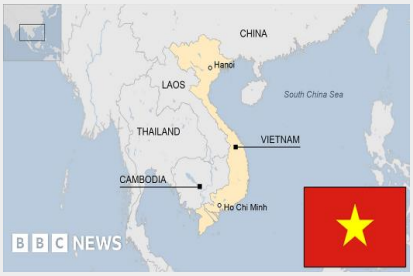

भौगोलिक अवस्थिति:

वियतनाम दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है, जिसकी सीमा उत्तर में चीन, पश्चिम में लाओस और कंबोडिया और पूर्व और दक्षिण में दक्षिण चीन सागर से लगती है। इसकी लगभग 3,260 किलोमीटर लंबी तटरेखा है।

राजधानी: वियतनाम की राजधानी हनोई है।

आधिकारिक भाषा: वियतनाम की आधिकारिक भाषा वियतनामी है।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:

वियतनाम कई यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का घर है, जिनमें हा लॉन्ग बे, होई एन प्राचीन टाउन, ह्यू इंपीरियल सिटी और माई सन सैंक्चुअरी शामिल हैं।

सांस्कृतिक विविधता

वियतनाम कन्फ्यूशीवाद, बौद्ध धर्म और स्वदेशी मान्यताओं के प्रभाव के साथ अपनी विविध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। देश में 54 मान्यता प्राप्त जातीय समूह हैं, जिनमें किन्ह लोग बहुसंख्यक हैं।

सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू:

वियतनाम अपनी विविध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, जो कन्फ्यूशीवाद, बौद्ध धर्म और स्वदेशी मान्यताओं से प्रभावित है।

विदेशी संबंध:

यह संयुक्त राष्ट्र, आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ) और विश्व व्यापार संगठन (विश्व व्यापार संगठन) सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

समाचारों में स्थान

न्यूफ़ाउंडलैंड, कनाडा

संदर्भ: हाल ही में, न्यूफ़ाउंडलैंड, कनाडा के तट के पास टाइटैनिक के मलबे के दौरे के दौरान एक पनडुब्बी में सवार पांच लोग लापता हो गए हैं।

भौगोलिक स्थिति:

- न्यूफ़ाउंडलैंड कनाडा के पूर्वी तट पर स्थित एक द्वीप है।
- यह कनाडा का सबसे पूर्वी प्रांत है और अटलांटिक क्षेत्र का हिस्सा है।
- यह मुख्य भूमि कनाडा से बेले आइल के जलडमरूमध्य से अलग है और अटलांटिक महासागर से घिरा है।

महत्त्व:

न्यूफ़ाउंडलैंड अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है, जिसमें अपतटीय तेल और गैस भंडार, खनिज और मत्स्य पालन शामिल हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- यह शुरुआती यूरोपीय अन्वेषण और निपटान का स्थल था, जिसके बारे में माना जाता है कि वाइकिंग खोजकर्ताओं ने 1000 ईस्वी के आसपास के क्षेत्र का दौरा किया था।
- वर्ष 1497 में, खोजकर्ता जॉन कैबोट न्यूफ़ाउंडलैंड में उतरे, जिससे यह उत्तरी अमेरिका के साथ शुरुआती यूरोपीय संपर्कों में से एक बन गया।
- न्यूफ़ाउंडलैंड कई सदियों तक एक ब्रिटिश उपनिवेश था और वर्ष 1949 में कनाडा में शामिल होने से पहले वर्ष 1907 में ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर प्रभुत्व का दर्जा प्राप्त किया।